# 'आप नए भारत की पराकाष्ठा देखने की राह पर हैं': सेबी प्रमुख सुश्री माधबी पुरी बुच ने आईआईएमए दीक्षांत समारोह में स्नातक छात्रों से कहा

*~ आईआईएमए के 59वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में 610 यंग लीडर स्नातक हुए*

*~ सेबी अध्यक्ष सुश्री माधबी पुरी बुच ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत भाषण दिया*

*~ आईआईएमए बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष श्री पंकज आर पटेल और आईआईएमए के निदेशक प्रोफेसर भारत भास्कर ने समारोह को संबोधित किया*

**30 मार्च, 2024:** भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) ने अपना 59वां वार्षिक दीक्षांत समारोह आलीशान लुइस काहन प्लाजा के हरे-भरे लॉन में आयोजित किया। इस वर्ष, संस्थान को मुख्य अतिथि के रूप में आईआईएमए की पूर्व छात्रा और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की अध्यक्ष सुश्री माधबी पुरी बुच की मेजबानी करने का सम्मान मिला। सुश्री बुच के साथ मंच पर आईआईएमए बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष श्री पंकज आर पटेल; प्रोफेसर भारत भास्कर, निदेशक, आईआईएमए; बोर्ड ऑफ गवर्नर्स और फैकल्टी सदस्य भी शामिल हुए।

दीक्षांत प्रोसेशन का नेतृत्व प्रोफेसर प्रद्युम्न खोकले, डीन (प्रोग्राम) और प्रबंधन में डॉक्टरेट कार्यक्रम के अध्यक्ष, प्रोफेसर दीप्तेश घोष ने किया। जिनके बाद सभी प्रोग्राम्स के अध्यक्ष, फैकल्टी सदस्य और स्नातक हो रहे छात्र चल रहे थे जो आईआईएमए लोगो से सजाए गए औपचारिक स्टोल पहने हुए थे। जैसे ही दीक्षांत समारोह का प्रोसेशन ढलते सूरज की उत्साही चमक के बीच प्रतिष्ठित एलकेपी में दाखिल हुआ, आईआईएमए समुदाय के सदस्यों और स्नातक हो रहे छात्रों के परिवार के सदस्यों ने प्रोसेशन का उत्साह बढ़ाया।

स्वागत भाषण देते हुए, **आईआईएमए के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष, श्री पंकज आर पटेल** ने तकनीकी नवाचारों और व्यवधानों के कारण उद्योग के बदलते परिदृश्य के बारे में बात की, और स्नातक हो रहे छात्रों को यंग लीडर होने के नाते अपने दृष्टिकोण में मानवीय होने के महत्व पर सलाह दी। उन्होंने कहा कि "एक लीडर में तकनीकी नवाचार की भूख होनी चाहिए। उसके पास आस-पास हो रही तकनीकी प्रगति और उसके व्यवसाय या संगठन पर पड़ने वाले प्रभाव को समझने का खुलापन होना चाहिए। लेकिन याद रखें, एक लीडर के रूप में सफलता, प्रशंसा, संगठनात्मक विकास और पेशेवर विकास के लिए आपकी तीव्र खोज में, हमें व्यवसाय में मानवता के सार को नहीं भूलना चाहिए। इस संबंध में एक लीडर की भूमिका महत्वपूर्ण है क्योंकि आप ऑटोमेशन के कारण नौकरी से विस्थापन के डर से अवगत होंगे। लीडरों के लिए यह समझना और अपनी टीमों को समझाना जरूरी है कि वे प्रौद्योगिकी को खतरे के रूप में नहीं बल्कि एक अवसर के रूप में देखें। सफलता की इस

यात्रा में सामूहिक प्रयास महत्वपूर्ण है। ऐसा दृष्टिकोण अपनाएं जो समावेशी हो, अपनी टीम के प्रत्येक सदस्य की ताकत और प्रतिभा का उपयोग करें।"

इस वर्ष के दीक्षांत समारोह में चार प्रोग्राम से कुल 610 युवा लीडरों के स्नातक होने का जश्न मनाया गया, जिसमें प्रबंधन में डॉक्टरेट प्रोग्राम (डीपीएम) के 20 शोध छात्र, प्रबंधन में दो वर्षीय स्नातकोत्तर प्रोग्राम (एमबीए) के 396 छात्र, खाद्य और कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में दो वर्षीय स्नातकोत्तर प्रोग्राम (एमबीए-एफएबीएम) के 47 छात्र और कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में एक वर्षीय पूर्णकालिक स्नातकोत्तर प्रोग्राम (एमबीए-पीजीपीएक्स) के 147 छात्र शामिल थे। इन सभी ने अध्यक्ष महोदय से स्नातक प्रमाणपत्र प्राप्त किए।

एमबीए से सिद्धांत अग्रवाल, पंचम गुप्ता और आयुषी श्रीवास्तव, एमबीए-एफएबीएम से कार्तिक नय्यर और एमबीए-पीजीपीएक्स कार्यक्रमों से गोपी एथमुक्कलम को मुख्य अतिथि ने उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया।

**सेबी की अध्यक्ष सुश्री माधबी पुरी बुच** ने अपने दीक्षांत अभिभाषण में छात्रों के साथ अपने अनुभव और अंतर्दृष्टि को साझा करते हुए एक छात्र के रूप में संस्थान में अपने दिनों को याद किया और कहा कि उनके लिए सबसे मूल्यवान चीज चुनौतियों के माध्यम से सोचने, सही करने क्षमता थी और उन्होंने अपने लिए जो लक्ष्य निर्धारित किए थे, उन्हें हासिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अपनी पेशेवर यात्रा के उपाख्यानों को साझा करते हुए, उन्होंने छात्रों से आत्मनिरीक्षण करने, अन्वेषण करने और अपने स्वयं के व्यक्तिगत मंत्रों की खोज करने का आग्रह किया जो अंततः उनकी आगे की पेशेवर यात्रा में उनके मार्गदर्शक के रूप में काम करेंगे।

उन्होंने छात्रों को सही दृष्टिकोण चुनने और बदलते व्यावसायिक परिदृश्य के अनुकूल बनने की सलाह दी। नए स्नातकों के सामने मौजूद अवसरों के बारे में बात करते हुए, सुश्री बुच ने कहा, "मेरी पीढ़ी को नए भारत की शुरूआत की लहर पर सवार होने का मौका मिला था। आपको नए भारत की उल्लास भरी पराकाष्ठा देखने को मिलेगी। हर जगह, विकास के लिए, समावेश के लिए, उद्यमशीलता के लिए, साँचे को तोड़ने के लिए और दुनिया का नेतृत्व करने का अवसर है।"

इस वर्ष भी, आईआईएमए का प्लेसमेंट सीज़न सफल रहा और एमबीए, एमबीए - एफएबीएम और एमबीए-पीजीपीएक्स के छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख कंपनियों से नौकरी के प्रस्ताव प्राप्त हुए और पीएचडी शोधार्थियों ने प्रमुख शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों से नौकरी के प्रस्ताव प्राप्त किए।

**प्रोफेसर भारत भास्कर, निदेशक, आईआईएमए ने** अपने समापन भाषण में पिछले एक वर्ष के दौरान संस्थान की गतिविधियों और उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण दिया। स्नातक हो रहे बैचों को संबोधित करते हुए, प्रोफेसर भास्कर ने कहा, "आईआईएमए में आपको जो कठोर प्रशिक्षण और समग्र कौशल विकास मिला है, उसने आपको जटिल और लगातार बदलती दुनिया में आगे बढ़ने का आत्मविश्वास प्रदान किया है। आज का तेजी से गतिशील और डिजिटल युग हर कुछ कदम पर आपसे एक नयापन मांगता है। इसलिए, नई सीख और कौशल के साथ खुद को नया रूप देते रहें। हर चुनौती को अवसर में बदलने के लिए उचित योग्यता और कौशल को निखारते रहें।" प्रोफेसर भास्कर ने स्नातक छात्रों को फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट के शब्दों से प्रेरित करते हुए कहा, "शांत समुद्र ने कभी भी कुशल नाविक नहीं बनाया।" इसलिए, अपनी यात्रा की जिम्मेदारी संभालिए और मुझे यकीन है कि आप सभी आईआईएमए की महिमा को दूर-दूर तक ले जाने में अपनी छाप छोड़ेंगे।"

समारोह का समापन अध्यक्ष द्वारा दीक्षांत समारोह की समाप्ति की घोषणा के साथ हुआ। जैसे ही समारोह संपन्न हुआ, स्नातक छात्रों ने अपने जीवन के इस महत्वपूर्ण अवसर को अपने परिवार और दोस्तों के साथ मनाया।

**<u>आईआईएम अहमदाबाद के बारे में:</u>**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए) एक प्रमुख वैश्विक प्रबंध संस्थान है जो प्रबंध शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में सबसे आगे है। अपने अस्तित्व के छः से अधिक दशकों में, इसे अपने विशिष्ट शिक्षण, उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान, भावी लीडरों का पोषण, उद्योग, सरकार, सामाजिक उद्यम का समर्थन करने और समाज पर एक प्रगतिशील प्रभाव पैदा करने के माध्यम से विद्वत्ता, अभ्यास और नीति में अनुकरणीय योगदान के लिए स्वीकार किया गया है।

आईआईएमए की स्थापना 1961 में सरकार, उद्योग और अंतरराष्ट्रीय शिक्षाविदों द्वारा एक अभिनव पहल के रूप में की गई थी। तब से यह अपने वैश्विक पदचिह्न को मजबूत कर रहा है और आज इसका 80 से अधिक शीर्ष अंतरराष्ट्रीय संस्थानों और दुबई में उपस्थिति के साथ एक नेटवर्क है। इसके प्रख्यात फैकल्टी सदस्य और 44,000 से अधिक पूर्व छात्र भी इसकी वैश्विक मान्यता में योगदान करते हैं, जो जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रभावशाली पदों पर हैं। पिछले कुछ वर्षों में, आईआईएमए के अकादमिक रूप से श्रेष्ठ, बाजार संचालित और सामाजिक रूप से प्रभावशाली कार्यक्रमों ने विश्व स्तर पर उच्च प्रतिष्ठा और प्रशंसा अर्जित की है। यह EQUIS से अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने वाला पहला भारतीय संस्थान बन गया। संस्थान को भारत सरकार के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), भारत रैंकिंग 2023 में भी पहले स्थान पर रखा गया है। फाइनेंशियल टाइम्स (एफटी) में कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2023 में संस्थान को भारत में नंबर 1, एशिया में नंबर 2 और वैश्विक स्तर पर 35वां स्थान दिया गया है। प्रबंधन

में प्रसिद्ध दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) को एफटी मास्टर इन मैनेजमेंट रैंकिंग 2023 में 43वां स्थान दिया गया है और एक वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट फॉर एग्जीक्यूटिव्स (पीजीपीएक्स) को एफटी ग्लोबल एमबीए रैंकिंग 2024 में 41वां स्थान दिया गया है।

आईआईएमए व्यावसायिक नेतृत्व, नीति निर्माताओं, उद्योग पेशेवरों, शिक्षाविदों, सरकारी अधिकारियों, सशस्त्र बलों के कार्मिकों, कृषि-व्यवसाय और अन्य विशिष्ट क्षेत्र के विशेषज्ञों और उद्यमियों के विविध लोगों के लिए अनुकूलित, मिश्रित और खुले नामांकन प्रारूपों में परामर्श सेवाएं और 200 से अधिक क्यूरेटेड कार्यपालक शिक्षण प्रोग्राम प्रदान करता है।

आईआईएमए के बारे में अधिक जानने के लिए कृपया https://www.iima.ac.in/ देखें।

**मीडिया से संबंधित किसी भी प्रश्न के लिए, कृपया संपर्क करें:**

शिवांगी भट्ट | manager-comm@iima.ac.in

सुनीता अरविंद| pr@iima.ac.in | +91-8450900643